कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (89) खण्ड - {177}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.........

प्रश्न 1- याद की यात्रा से -

A- बन्धन कटते जायेंगे

B- पाप का घड़ा खत्म हो जायेगा

C- विकर्म विनाश होंगे

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- अपने रजिस्टर को ठीक रखने के लिए बाप ने तुम्हें कौन सा रास्ता बताया है ?

A- अब कोई भी विकर्म मत करो

B- प्यार का ही रास्ता

C- गफलत मत करो

D- चार्ट रखो

प्रश्न 3- कैसे पुण्य आत्मा बन जायेंगे ?

A- दिव्य गुणों की धारणा से

B- मायाजीत बनने से

C- बाप को याद करने से

D- देही अभिमानी रहने से

प्रश्न 4- सफलता का आधार है -

A- दृढ़ संकल्प

B- अटल निश्चय

C- त्याग और तपस्या

D- करन करावनहार की स्मृति

प्रश्न 5- तुम्हारी प्रतिज्ञा है कि -

A- जब आप आएँगे हम आप पर वारि जाएंगे

B- पवित्र बनेंगे

C- भारत को स्वर्ग बनायेंगे

D- जब तक हम पावन नहीं बने हैं, तब तक बाप को याद करते रहेंगे

प्रश्न 6- सयाने बच्चे समय को देखते हुए कौन - सा पुरुषार्थ करेंगे ?

A- विकर्म विनाश करने का

B- पुरानी खाल से ममत्व निकालते जाओ

C- अन्त में जब शरीर छूटे तो बस एक बाबा की ही याद रहे

D- योग बल जमा करने का

प्रश्न 7- क्या बहादुरी का काम है ?

A- ड्रामा के हर सीन पर पूरा निश्चय हो

B- गृहस्थ व्यवहार में रह पवित्र बनना

C- विश्व का मालिक बनना

D- शिव बाबा पर अपना सब-कुछ अर्पण करना

प्रश्न 8- सदा यही लक्ष्य रहे कि -

A- हर कदम बाप के फरमान पर चलना है

B- फर्स्ट डिवीजन में आना है

C- हर आत्मा के प्रति सदा उपकार अर्थात् शुभ कामना रखनी है

D- बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है

प्रश्न 9- व्यक्तियों को तो मुख का कोर्स करा लेते हो लेकिन प्रकृति को बदलने के लिए -

A- शान्ति की शक्ति अर्थात् योगबल ही चाहिए

B- योग को ज्वाला रूप बनाओ

C- पवित्रता का अभ्यास करो

D- आत्मिक स्थिति का

प्रश्न 10- सब मस्जिदों की फिर एक बड़ी मस्जिद होती है - वहाँ जाते हैं ईद मुबारक देने। अब मुबारक तो यह है -

A- जब हम सब दुःखों से छूट सुखधाम में जायें

B- अलौकिक जन्मदिन की

C- नवयुग की

D- भगवान से मिलने की

प्रश्न 11- तुम्हें यही चिंता रहे कि -

A- कैसे सबको बाबा का पैगाम दें

B- पुरूषार्थ कंर ऊचे पद केसे पायें

C- हम कैसे सबको सुखधाम का रास्ता बतायें

D- गीता का भगवान कैसे सिद्ध करें

प्रश्न 12- सर्व बंधनों से मुक्त होने के लिए -

A- बस बाप और आप

B- इच्छा मात्रम् अविद्या हो

C- देह के नातों से नष्टोमोहा बनो

D- बेहद के वैरागी बनो

प्रश्न 13- सर्व की मुबारकें प्राप्त करने के लिए क्या पुरुषार्थ करना है ?

A- संपूर्ण पावन बनने का

B- दिव्य गुण धारण करने का

C- बाप समान बनने का

D- विजय माला का दाना बनने का

प्रश्न 14- समस्याएं भी मनोरंजन का खेल अनुभव होंगी -

A- डबल लाइट रहने से

B- स्वस्थिति में स्थित होने से

C- निश्चय बुद्धि बनने से

D- नॉलेजफुल बनने से

प्रश्न 15- एक बाप दूसरा न कोई यह गायन है -

A- लवलीन आत्माओं की स्थिति का

B- स्नेही आत्माओं की स्थिति का

C- कर्म योगी आत्माओं की स्थिति का

D- श्रेष्ठ स्वमानधारी आत्माओं का

प्रश्न 16- समय प्रमाण अब सभी ब्राह्मण आत्माओं को समीप लाते हुए -

A- अव्यक्त वायुमंडल बनाओ

B- शक्तिशाली वायुमंडल बनाओ

C- ज्वाला स्वरूप वायुमंडल बनाओ

D- निर्विघ्न वायुमंडल बनाओ

भाग (89) खण्ड {177} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

बाप कहते हैं बच्चे याद की यात्रा में रहो, दैवीगुण भी धारण करो तो बन्धन कटते जायेंगे। पाप का घड़ा खत्म हो जायेगा। यह तो सबको बोलो *बाप को याद

करो तो विकर्म विनाश हो जायेंगे।* इसमें नुकसान की कोई बात नहीं है। संस्कार आत्मा ले जाती है।

उत्तर 2- *B.प्यार का ही रास्ता*

अपने रजिस्टर को ठीक रखने के लिए प्यार का ही रास्ता बाप तुम्हें बतलाते हैं, श्रीमत देते हैं बच्चे हर एक के साथ प्यार से चलो। किसी को भी दु:ख नहीं दो। कर्मेन्द्रियों से कभी भी कोई उल्टा कर्म नहीं करो। सदा यही जाँच करो कि मेरे में कोई आसुरी गुण तो नहीं हैं? मूडी तो नहीं हूँ? कोई बात में बिगड़ता तो नहीं हूँ?

उत्तर 3- *C.बाप को याद करने से*

अभी तुमको राइट-रांग समझने की बुद्धि चाहिए, यह पुण्य का काम है, यह करना चाहिए। दिल में संकल्प आता है गुस्सा करें, अब बुद्धि तो मिली है - अगर गुस्सा करेंगे तो पाप बन जायेगा। *बाप को याद करने से पुण्य

आत्मा बन जायेंगे।* ऐसे नहीं अच्छा अभी हुआ फिर नहीं करेंगे। ऐसे फिर-फिर कहते रहने से आदत पड़ जायेगी।

उत्तर 4- *C.त्याग और तपस्या*

त्याग और तपस्या ही सफलता का आधार है। त्याग की भावना वाले ही सच्चे सेवाधारी बन सकते हैं। त्याग से ही स्वयं का और दूसरों का भाग्य बनता है और दृढ़ संकल्प करना - यही तपस्या है। तो त्याग, तपस्या और सेवा भाव से अनेक हद के भाव समाप्त हो जाते हैं। संगठन शक्तिशाली बनता है।

उत्तर 5- *D.जब तक हम पावन नहीं बने हैं,तब तक बाप को याद करते रहेंगे*

मीठे बच्चे - *तुम्हारी प्रतिज्ञा है कि जब तक हम पावन नहीं बने हैं, तब तक बाप को याद करते रहेंगे* , एक बाप को ही प्यार करेंगे।

उत्तर 6- *C.अन्त में जब शरीर छूटे,बस एक बाबा की ही याद रहे*

अन्त में जब शरीर छूटे तो बस एक बाबा की ही याद रहे और कुछ भी याद न आये। ऐसा पुरुषार्थ सयाने बच्चे अभी से करते रहेंगे क्योंकि कर्मातीत बनकर जाना है इसके लिए इस पुरानी खाल से ममत्व निकालते जाओ, बस हम जा रहे हैं बाबा के पास।

उत्तर 7- *B.गृहस्थ व्यवहार में रह पवित्र बनना*

गृहस्थ व्यवहार में रह पवित्र बनना - यह बहादुरी का काम है। महावीर अर्थात् वीरता दिखाई। यह भी वीरता है जो काम संन्यासी नहीं कर सकते, वह तुम कर सकते हो। बाप श्रीमत देते हैं तुम ऐसे गृहस्थ व्यवहार में रहते कमल फूल समान पवित्र बनो तब ही ऊंच पद पा सकेंगे।

उत्तर 8- *D.बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है*

जो बच्चे बहुतकाल से निर्विघ्न स्थिति के अनुभवी हैं उनका फाउन्डेशन पक्का होने के कारण स्वयं भी शक्तिशाली रहते हैं और दूसरों को भी शक्तिशाली बनाते हैं। बहुतकाल की शक्तिशाली, निर्विघ्न आत्मा अन्त में भी निर्विघ्न बन पास विद आनर बन जाती है या फर्स्ट डिवीजन में आ जाती है। *तो सदा यही लक्ष्य रहे कि बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है।*

उत्तर 9- *A.शान्ति की शक्ति अर्थात योगबल ही चाहिए*

योग माना शान्ति की शक्ति। यह शान्ति की शक्ति बहुत सहज स्व को और दूसरों को परिवर्तन करती है, इससे व्यक्ति भी बदल जायेंगे तो प्रकृति भी बदल जायेगी। व्यक्तियों को तो मुख का कोर्स करा लेते हो

लेकिन *प्रकृति को बदलने के लिए शान्ति की शक्ति अर्थात् योगबल ही चाहिए।*

उत्तर 10- *A.जब हम सब दु:खों से छूट सुखधाम जाऐं*

बड़े दिनों पर प्रेज़ीडेन्ट आदि भी मस्जिद में जाते हैं। बड़ों से मिलते हैं। सब मस्जिदों की फिर एक बड़ी मस्जिद होती है - वहाँ जाते हैं ईद मुबारक देने। *अब मुबारक तो यह है जब हम सब दु:खों से छूट सुखधाम में जायें,* तब कहा जाए मुबारक हो। हम खुशखबरी सुनाते हैं।

उत्तर 11- *C.हम कैसे सबको सुखधाम का रास्ता बतायें*

तुम्हें यही चिंता रहे कि हम कैसे सबको सुखधाम का रास्ता बतायें, सबको पता पड़े कि यही पुरुषोत्तम बनने का संगमयुग है। तुम बच्चों को दिन-रात यह चिंता रहनी चाहिए। बाप को भी चिंता हुई तब तो ख्याल आया

कि जाऊं, जाकर सबको सुखी बनाऊं। साथ में बच्चों को भी मददगार बनना है। अकेले बाप क्या करेंगे।

उत्तर 12- *C.देह के नातों से नष्टोमोहा बनो*

स्लोगन:- *सर्व बन्धनों से मुक्त होने के लिए दैहिक नातों से नष्टोमोहा बनो।*

उत्तर 13- *D.विजयमाला का दाना बनने का*

सर्व की मुबारकें प्राप्त करने के लिए विजय माला का दाना बनने का पुरुषार्थ करना है। पूज्य बनना है। जो पास होंगे उनको मुबारक मिलेगी, उनकी ही पूजा होती है। आत्मा को भी मुबारक हो, जो ऊंच पद पाती है। फिर भक्ति मार्ग में उनकी ही पूजा होती है।

उत्तर 14- *D.नॉलेजफुल बनने से*

स्लोगन:- *नॉलेजफुल बनो तो समस्यायें भी मनोरंजन का खेल अनुभव होंगी।*

उत्तर 15- *B.स्नेही आत्माओं की स्थिति का*

जो बच्चे सदा स्नेही हैं वह लवलीन होने के कारण मेहनत और मुश्किल से सदा बचे रहते हैं। उनका हर समय, हर संकल्प है ही बाप की याद और सेवा के प्रति। *स्नेही आत्माओं की स्थिति का गायन है एक बाप दूसरा न कोई, बाप ही संसार है।* वे संकल्प से भी अधीन नहीं हो सकते।

उत्तर 16- *C.ज्वाला स्वरूप वायुमण्डल बनाओ*

समय प्रमाण अब सर्व ब्राह्मण आत्माओं को समीप लाते हुए ज्वाला स्वरूप का वायुमण्डल बनाने की सेवा करो, उसके लिए चाहे भट्ठियां करो या आपस में संगठित होकर रूहरिहान करो लेकिन ज्वाला स्वरूप का

अनुभव करो और कराओ, इस सेवा में लग जाओ तो छोटी-छोटी बातें सहज परिवर्तन हो जायेंगी।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (89) खण्ड - {178}

प्रश्न 1- गायन भी है अन्तकाल जो स्त्री सिमरे.... बाप कहते हैं जो मुझे याद करेंगे तो मेरे को पायेंगे। नहीं तो बहुत- बहुत सज़ायें खाकर कहाँ आयेंगे ?

A- त्रेतायुग

B- द्वापर युग

C- सतयुग में दास-दासी

D- त्रेता के अंत में

प्रश्न 2- पहले-पहले तो समझाओ -

A- तुम्हारे दो बाप हैं

B- तुम आत्मा हो, देह नहीं

C- यह ज्ञान परमात्मा द्वारा दिया गया है

D- सतयुग की स्थापना हो रही है

प्रश्न 3- इस ऊंची पढ़ाई में पास होने के लिए मुख्य शिक्षा कौन-सी मिलती है ?

A- जो पढ़ा है वह औरों को पढ़ाओ

B- आंखें बहुत-बहुत पवित्र होनी चाहिए

C- भाई-बहिन की दृष्टि चाहिए

D- पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है

प्रश्न 4- तुम्हारा भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार बुद्धि का ताला खुला है क्योंकि ?

A- कर्मेन्द्रियों की चंचलता बहुत है

B- सब यथार्थ रीति बाप को याद नहीं करते हैं

C- विकर्म का खाता बहुत है

D- भक्ति कम है

प्रश्न 5- मनुष्य तो सन्यासी आदि के पास जाकर कहेंगे -

A- कृपा करो

B- धन की प्राप्ति कैसे हो

C- मन की शांति कैसे हो

D- हम संपूर्ण निर्विकारी कैसे बने

प्रश्न 6- किसको सिखलाते नहीं हैं तो गोया -

A- धारणा कुछ भी है नहीं

B- समझते कुछ नहीं

C- अजुन कच्चे हैं

D- सर्विस कुछ है नहीं

प्रश्न 7- संशय बुद्धि बनना माना -

A- अपना नुकसान करना

B- पद भ्रष्ट होना

C- बाप से बेमुख होना

D- तकदीर को लकीर लगाना

प्रश्न 8- सेकण्ड में बिंदु बन बिंदु स्वरूप बाप को याद कर सकते हैं ?

A- आत्म अभिमानी

B- स्व दर्शन चक्रधारी

C- निश्चय बुद्धि

D- सच्ची दिल वाले

प्रश्न 9- कोई भी कारण से बाप को छोड़ा तो -

A- कपूत कहेंगे

B- अपना ही नुकसान करेंगे

C- कमबख्त कहेंगे

D- और ही डिससर्विस करेंगे

प्रश्न 10- कहाँ भी रह बाप को याद करते हैं तो -

A- स्वर्ग में आ जाएंगे

B- माया जीत बन जाएंगे

C- सजाओं से छूट जाएंगे

D- पावन बन जाएंगे

प्रश्न 11- मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई में पास होने का मुख्य आधार क्या है ?

A- निश्चय

B- पढ़ाई

C- पवित्रता

D- धारणा

प्रश्न 12- संगमयुग के सम्बन्ध में इसमें से कौन सा सही नहीं है -

A- पांचवां युग

B- बहुत छोटा

C- वास्तव में चौथाई भाग कहेंगे

D- गीता का युग

प्रश्न 13- तुम ब्रह्मा कुमार ब्रह्मा कुमारियां सारी दुनिया के मित्र हो क्योंकि -

A- तुम विश्व सेवा धारी हो

B- पतितों को पावन बनाने की सेवा करते हो

C- तुम बाप के मददगार हो

D- तुम सबको ईश्वर का बनाकर बेहद का वर्सा दिलाते हो

प्रश्न 14- श्री कृष्ण के मंदिर को भी-

A- मधुबन कहते हैं

B- वैकुण्ठ धाम कहते हैं

C- सुख धाम कहते हैं

D- मुक्तिधाम कहते हैं

प्रश्न 15- वैजयन्ती माला सिर्फ कितनों की गाई जाती है ?

A- 108

B- 16108

C- 100

D- 8

प्रश्न 16- बेड़ा पार होगा -

A- बाप को याद करो

B- पवित्र बनो तो

C- दैवी गुण धारण करो

D- उपरोक्त सभी

भाग (89) खण्ड {178} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.त्रेता के अंत में*

गायन भी है अन्तकाल जो स्त्री सिमरे..... बाप कहते हैं जो मुझे याद करेंगे तो मेरे को पायेंगे। नहीं तो बहुत-बहुत सज़ायें खाकर आयेंगे। *सतयुग में भी नहीं, त्रेता के भी पिछाड़ी में आयेंगे।* सतयुग-त्रेता को कहा जाता है - ब्रह्मा का दिन। एक ब्रह्मा तो नहीं होगा, ब्रह्मा के तो बहुत बच्चे हैं ना।

उत्तर 2- *B.तुम आत्मा हो,देह नहीं*

पहले-पहले तो समझाओ - तुम आत्मा हो, देह नहीं। नहीं तो लॉटरी सारी गुम हो जायेगी। भल वहाँ राजा अथवा प्रजा सब सुखी रहते हैं फिर भी पुरुषार्थ तो ऊंच पद पाने का करना है ना। ऐसे नहीं, सुखधाम में तो जायेंगे ना। नहीं, ऊंच पद पाना है, राजा बनने के लिए आये हो।

उत्तर 3- *B.आंखें बहुत पवित्र होनी चाहिए*

इस पढ़ाई में पास होना है तो आंखें बहुत-बहुत पवित्र होनी चाहिए क्योंकि यह आंखें ही धोखा देती हैं, यही क्रिमिनल बनती हैं। शरीर को देखने से ही कर्मेन्द्रियों में चंचलता आती है इसलिए आंखें कभी भी क्रिमिनल न हों।

उत्तर 4- *B.सब यथार्थ रीति बाप को याद नहीं करते हैं*

तुम्हारा भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार बुद्धि का ताला खुला है क्योंकि सब यथार्थ रीति बाप को याद नहीं करते हैं। तो धारणा भी नहीं होती है। बाप तो पुरुषार्थ कराते हैं, परन्तु तकदीर में नहीं है। ड्रामा अनुसार जो अच्छी रीति पढ़ेंगे पढ़ायेंगे, बाप के मददगार बनेंगे, हर हालत में ऊंच पद वही पायेंगे।

उत्तर 5- *C.मन की शान्ति कैसे हो*

यह तो बाप खुद आकर सुनाते हैं। पतित से पावन फिर पावन से पतित कैसे बनेंगे? हिस्ट्री रिपीट कैसे होगी, वह भी बताते हैं। 84 का चक्र है। हम पतित क्यों बने हैं फिर पावन बन कहाँ जाने चाहते हैं। *मनुष्य तो संन्यासी आदि के पास जाकर कहेंगे मन की शान्ति कैसे हो?* ऐसे नहीं कहेंगे हम सम्पूर्ण निर्विकारी पावन कैसे बनें? यह कहने में लज्जा आती है।

उत्तर 6- *B.समझते कुछ नहीं*

बहुत भक्ति की होगी तब ही ज्ञान भी जंचेगा। चेहरे से ही मालूम पड़ता है। सुनने से खुश होते रहेंगे। जो नहीं समझेंगे वह तो इधर-उधर देखते रहेंगे या आंखें बंद कर बैठेंगे। बाबा सब देखते हैं। *किसको सिखलाते नहीं हैं तो गोया समझते कुछ नहीं।* एक कान से सुन दूसरे से निकाल देते हैं।

उत्तर 7- *A.अपना नुकसान करना*

मीठे बच्चे - बाप जो तुम्हें हीरे जैसा बनाते हैं, उनमें कभी भी संशय नहीं आना चाहिए, *संशयबुद्धि बनना माना अपना नुकसान करना।*

उत्तर 8- *D.सच्ची दिल वाले*

पावरफुल याद के लिए सच्चे दिल का प्यार चाहिए। *सच्ची दिल वाले सेकण्ड में बिन्दु बन बिन्दु स्वरूप बाप को याद कर सकते हैं।* सच्ची दिल वाले सच्चे साहेब को राज़ी करने के कारण, बाप की विशेष दुआयें प्राप्त करते

हैं, जिससे सहज ही एक संकल्प में स्थित हो ज्वाला रूप की याद का अनुभव कर सकते हैं, पावरफुल वायब्रेशन फैला सकते हैं।

उत्तर 9- *C.कमबख्त कहेंगे*

पुण्य आत्मा बनने के लिए पुरुषार्थ कर और फिर पाप करने से सौगुणा पाप हो जाता है फिर जामड़े (बौने) रह जाते हैं, वृद्धि को पा नहीं सकते। सौगुणा दण्ड एड होने से अवस्था जोर नहीं भरती। बाप जिससे तुम हीरे जैसा बनते हो उनमें संशय क्यों आना चाहिए। *कोई भी कारण से बाप को छोड़ा तो कमबख्त कहेंगे।*

उत्तर 10- *C.सजाओं से छूट जाएंगे*

कहाँ भी रहकर बाप को याद करना है, तो सज़ाओं से छूट जायें। यहाँ तुम आते ही हो पतित से पावन बनने। पास्ट के भी कोई ऐसे कर्म किये हुए हैं तो शरीर

की भी कर्म भोगना कितना चलती है। अभी तुम तो आधाकल्प के लिए इनसे छूटते हो।

उत्तर 11- *A.निश्चय*

मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई में पास होने का मुख्य आधार है निश्चय। निश्चयबुद्धि बनने का साहस चाहिए। माया इस साहस को तोड़ती है। संशयबुद्धि बना देती है। चलते-चलते अगर पढ़ाई में वा पढ़ाने वाले सुप्रीम टीचर में संशय आया तो अपना और दूसरों का बहुत नुकसान करते हैं।

उत्तर 12- *C.वास्तव में चौथाई भाग कहेंगे*

भगवानुवाच - यह तो गीता है। गीता का भी युग आता है ना। सिर्फ भूल गये हैं - यह है पांचवां युग। यह संगम बहुत छोटा है। *वास्तव में चौथाई भी नहीं कहेंगे।* परसेन्टेज़ लगा सकते हैं। सो भी आगे चल बाप बतलाते रहेंगे। कुछ तो बाप के बतलाने की भी नूँध है ना।

उत्तर 13- *C.तुम बाप के मददगार हो*

बाप सर्विस अर्थ डायरेक्शन तो देते रहते हैं। मित्र-सम्बन्धी आदि जो भी आयें, सबके सच्चे मित्र तो तुम हो। *तुम ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ तो सारी दुनिया के मित्र हो क्योंकि तुम बाप के मददगार हो।* मित्रों में कोई शत्रुता नहीं होनी चाहिए। कोई भी बात निकले बोलो, शिवबाबा को याद करो।

उत्तर 14- *C.सुखधाम कहते हैं*

बाबा कहते हैं बाहर में रहने वाले भी बहुत याद में रह सकते हैं। बहुत सर्विस कर सकते हैं। यहाँ भी बाप से रिफ्रेश होकर फिर जाते हैं तो अन्दर में कितनी खुशी रहनी चाहिए। इस छी-छी दुनिया में तो बाकी थोड़े रोज़ हैं। फिर चलेंगे श्रीकृष्ण पुरी में। *श्रीकृष्ण के मन्दिर को भी सुखधाम कहते हैं*

उत्तर 15- *A. 108*

तुम अभी समझते हो भगवान तो एक निराकार है, कोई भी देहधारी को भगवान कह नहीं सकते। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी नहीं कह सकते तो फिर मनुष्य अपने को भगवान कैसे कह सकते। *वैजयन्ती माला सिर्फ 108 की गाई जाती है।* शिवबाबा ने स्वर्ग स्थापन किया, उनके यह मालिक हैं। जरूर उससे पहले उन्होंने यह पुरुषार्थ किया होगा। उसको कहा जाता है कलियुग अन्त सतयुग आदि का संगमयुग।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

कोई पूछे आप कौन हो तो बोलो, हम हैं फायर ब्रिगेड, जैसे वह फायर ब्रिगेड होते हैं, आग को बुझाने के लिए। तो इस समय सारी सृष्टि में काम अग्नि में सब जले हुए हैं। अब बाप कहते हैं काम महाशत्रु पर जीत पहनो। *बाप को याद करो, पवित्र बनो, दैवी गुण धारण करो तो बेड़ा पार है।*